

एमएमपीओ -005

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA) / मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ऑनलाइन) MBA(OL) / मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ऑपरेशन्स मैनेजमेंट) (MBAOM) / पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशन्स मैनेजमेंट (PGDIOM) / पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन सर्विसेज मैनेजमेंट (PGDISM)

सत्रीय कार्य

2026-2027

जुलाई 2026 और जनवरी 2027 सत्र

एमएमपीओ- 005: लॉजिस्टिक्स एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

(सत्रीय कार्य को जमा करने के लिए जुलाई 2026 सत्र के लिए अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 है और जनवरी 2027 के लिए 30 अप्रैल 2027 है)



प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली -110068

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	एमएमपीओ -005
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	लॉजिस्टिक्स एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
सत्रीय कार्य का कोड	:	एमएमपीओ -005 /टी. एम. ए./ जुलाई /2026-27

नोट: सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिए तथा यह सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा कीजिए। जुलाई 2026 सत्र हेतु अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तथा जनवरी 2027 सत्र हेतु 30 अप्रैल 2027 है।

1. “आपूर्ति श्रृंखला (SC) की अनेक संभावित संरचनाएँ हो सकती हैं, परन्तु सबसे सरल दृष्टिकोण यह है कि सामग्री विभिन्न स्तरों के आपूर्तिकर्ताओं से एक संगठन की ओर अभिसरित होती है तथा उत्पाद विभिन्न स्तरों के ग्राहकों की ओर प्रसारित होते हैं।” स्पष्ट कीजिए।
2. जब क्रिस्टोफर कहते हैं कि “प्रतिस्पर्धा कंपनियों के बीच नहीं, बल्कि आपूर्ति श्रृंखलाओं के बीच होती है”, तो उनका आशय क्या है? लागत के दृष्टिकोण से इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।
3. परिवहन एवं वाहक (Carrier) चयन की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। यह क्यों की जाती है तथा इसकी प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?
4. एम-कॉमर्स (मोबाइल कॉमर्स) तथा डी-कॉमर्स (डिजिटल कॉमर्स) का पारंपरिक ई-कॉमर्स (इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स) पर क्या प्रभाव पड़ेगा?
5. ई-एजेंट्स द्वारा कौन-कौन सी गतिविधियाँ निष्पादित की जा सकती हैं? ई-एजेंट्स चैनल भागीदारों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने में किस प्रकार सहायता कर सकते हैं?